रोपण हेतु पौध ऊँचाई / आयु

उपरोक्त साईज के रुट ट्रैनर मे तैयार 6 से 8 माह की आयु के पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं। रोपण के समय पौधे की कुल लंबाई 92 से 95 सेमी या उससे अधिक होनी चाहिए।

उपयोग

इसकी लकडी उच्च गुणवत्ता की होने के कारण सजावट के सामान तैयार करने, मकान के सजावटी फर्श बनाने, रेल्वे कैरिज के कार्य, कृषि उपकरण तैयार करने आदि में उपयोग की जाती है। इसके वृक्ष से निकलने वाली गोंद को कई उत्पादों में मिलावट के तौर पर उपयोग किया जाता है साथ ही इसकी छाल में पाए जाने वाले टेनिन का उपयोग मछली पकडने के जाल में उपयोग किया जाता है। इसकी पत्तियों एवं बीज का उपयोग आंखों की बीमारी में किया जाता है। इसके साथ इसकी लकडी को जलाऊ लकडी के तौर पर भी उपयोग किया जाता हैं। यह वृक्ष की पत्तियों का उपयोग मवेशियों के लिए चारे की प्राप्ति के लिए किया जाता है।

संपर्क

डॉ. अर्चना शर्मा

वरिष्ठ वैज्ञानिक

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र)

(0761) 2666529, 2665540

काला सिरस रुट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

(अल्बीजिया लेबेक)

वन उत्पादकता प्रभाग

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.) 482008

www.mpsfri.org

Scanned with OKEN Scanner

काला सिरस-रुट ट्रैनर मे उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

प्रजाति का नाम - काला सिरस
वनस्पति का नाम- अल्वीजिया लेबेक

परिचय

यह शुष्क एवं नम वनों में पाये जाने वाला मध्यम ऊंचाई का पर्णपाती वृक्ष है। यह लैग्यूमिनेसी कुल का सदस्य है। यह मिश्रित वनों में अधिकतर पाया जाता है। इस वृक्ष से निकलने वाली गोंद एरेबिक गोंद के नाम से जानी जाती है।

पहचान

यह 15 से 18 मीटर तक की ऊंचाई के साथ-साथ 05 से 10 के जोडे में पायी जाने वाली पत्तियों वाला वृक्ष होता है। इस वृक्ष की छाल खुरदरी एवं भूरे-काले रंग की होती है। इसकी फली में 06 से 12 तक बीज पाए जाते है।

प्राप्ति स्थान

यह वृक्ष हिमालय से लगे क्षेत्रों के साथ साथ बंगाल, असम, बिहार, म.प्र., उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में पाया जाता है। मध्य प्रदेश में यह मुख्यतः ग्वालियर, बैतूल, होशंगाबाद, देवास, सिवनी, मण्डला, कटनी, आदि जिलों में पाया जाता है।

स्थानीय कारक (Locality Factor)

यह विभिन्न तरह की मिट्टी में पाया जाता है। परन्तु रेतीली, लाल दोमट, काली कपासी मृदा में अच्छी वृद्धि करता है।

बीज चक्र (Seed Cycle)

वृक्ष में प्रतिवर्ष बीज उत्पादित होता है।

ऋतुजैविकी (Phenology)

इस वृक्ष में फूल जून से अगस्त के मध्य लगते हैं एवं फल अक्टूबर से अप्रैल माह के मध्य लगते हैं। बीजों का संग्रहण फरवरी-मार्च के मध्य किया जाता है।

इसके बीज में परिपक्वता अवधि के दौरान कीडे का प्रकोप होने के कारण अधिकतर बीज फली के अंदर क्षतिग्रस्त पाये जाते हैं।

प्रतिकिलो बीजों की संख्या

प्रतिकिलो बीजों की संख्या लगभग 8000 से 9000 तक होती है।

जीवन क्षमता अवधि

बीज की जीवन क्षमता अवधि लगभग 1.5 से 02 वर्षो तक होती है।

सुसुप्तावस्था

बीज में किसी भी तरह की सुसुप्तावस्था नहीं होती है।

अंकुरण क्षमता

बीज की अंकुरण क्षमता 60 से 90 प्रतिशत तक होती है।

पौध प्रतिशत

पौध प्रतिशत 40 से 50 प्रतिशत तक देखी गई है।

उपयुक्त भंडारण विधि

सील्ड प्लास्टिक कन्टेनर में सिलिका जैल रसायन के साथ भंडारित करने पर बीज की जीवनक्षमता अवधि सामान्य भण्डारण की स्थिति से 06 से 09 माह अधिक बढाई जा सकती है।

उपयोगिता की अवधि

बीज को संग्रहण के एक वर्ष के अंदर उपयोग करना अंकुरण की दृष्टि से लाभकारी होता है।

बुआई पूर्व उपचारण

बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे ठंडे पानी में डुबोकर रखने से अंकुरण सामान्य से अधिक एवं शीघ्र प्राप्त होता है

अंकुरण हेतु उपयुक्त माध्यम

बीज की बुवाई हेतु उपयुक्त माध्यम रेत है।

बुआई का समय

बुवाई का उचित समय फरवरी से जून के मध्य होता है।

100 पौधे हेतु आवश्यक बीजों की मात्रा

100 पौधों हेतु 20 से 25 ग्राम बीजों की आवश्यकता होती है।

बुआई हेतु उपयुक्त विधि

बीज को सीधे ऊपर दिए गए उपचारण अनुसार उपचारित कर जर्मिनेशन ट्रै अथवा क्यारी में महीन रेत की परत बिछाकर 7.5 से 7.5 सेमी बीज से बीज की दूरी पर बोया जाता है। नियमित रूप से सिचांई करते है, बोने के पांच दिन बाद से अंकुरण शुरू हो जाता है, एवं महीनों तक होता रहता है। परंतु सीधे उक्त उपचारण से बीज उपचारित कर रुट ट्रैनर में भी बीज की बुआई की जा सकती है।

रुट ट्रैनर में बीमारी एवं बचाव

रुट ट्रैनर में पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए खरपतवार की निंदाई नियमित होना चाहिए इसके साथ ही पौधों को पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध होना चाहिए। पौधों में किसी भी प्रकार की बीमारी दिखने पर तत्काल फफूंदनाशक दवा बैविस्टीन एवं कीटनाशक दवा एन्डोसल्फॉन अथवा रोगार का एक प्रतिशत सांध्रता के घोल का छिडकाव सप्ताह में दो बार किया जाना चाहिए एवं पौधों को तत्काल कुछ समय के लिए धूप में रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

पॉटिंग मिश्रण

विभिन्न रुट ट्रैनर साइजों में कुल 37 प्रकार के पोटिंग मिक्चर का प्रयोग किया गया। जिसमें अधिकतम पौध वृद्धि रेत + मिट्टी + गोबर खाद का 1:1:1 के अनुपात के साथ प्रति पौध 6 ग्राम यूरिया, 6 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 6 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश मिश्रण में पाई गई। अतः यह मिश्रण इस प्रजाति की पौध वृद्धि के लिये अत्यंत उपयोगी होगा।

रुट ट्रैनर का साइज

300 से 400 सीसी साइज के रुट ट्रैनर पौधो की अच्छी वृद्धि के लिए उपयुक्त पाये गये।

Scanned with OKEN Scanner